रक्षा लेखा महानियंत्रक का संदेश

आज रक्षा लेखा महानियंत्रक के पद पर कार्यभार ग्रहण करना मेरे लिए अत्यंत सम्मान का विषय है। 278 वर्ष के गौरवशाली इतिहास वाले इस विभाग की प्रगति में मेरे सभी पूर्ववर्ती अधिकारियों ने अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। इस महान विभाग के नेतृत्व की मशाल जो आज मुझे सौंपी गई है, मैं उसकी प्रखरता और तेज को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए पूर्णतः समर्पित हूँ।

हमारे विभाग ने हाल ही में माननीय रक्षा मंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुसार अपने अधिदेश में रक्षा वित्त एवं लेखा के साथ-साथ अर्थशास्त्र का नया आयाम जोड़ा है। इसके साथ ही, विभाग ने स्वयं को बदलते परिवेश के अनुसार अद्यतन बनाए रखने की परंपरा को कायम रखते हुए नया विज़न डॉक्यूमेंट, नया लक्ष्य-कथन एवं नया ध्येय-वाक्य -"Alert, Agile and Adapt" जारी किया है। तदनुसार हमारा हर काम इसी भावना से अनुप्राणित, देश के नाम और "विकसित भारत" के लक्ष्य की दिशा में होना चाहिए।

रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2025 को "Year of Reforms" घोषित किया है। इसी पृष्ठभूमि में Artificial Intelligence और Data Analytics की निरंतर बढ़ती संभावनाओं के अनुरूप विभाग के नए विज़न डॉक्यूमेंट में हमारे मूल कार्यों की re-structuring एवं re-alignment की परिकल्पना की गई है, जिसमें change management एवं capacity building पर भी बल दिया गया है। विभाग के इस संरचनात्मक, संगठनात्मक एवं तकनीकी परिवर्तन को सुचारू रूप से आगे ले जाने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं ।

विभाग में चल रहे विभिन्न Automation Projects जैसे "स्पर्श", "ई-रक्षा आवास" और नए लागू होने वाले प्रोजेक्ट्स जैसे "संपूर्णा" एवं "Centralised Pay System" भारत सरकार की "Digital India" मुहिम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आज हमारे लिए यह आवश्यक है कि हम न केवल नए डिजिटल टूल्स एवं नूतन वित्तीय प्रबंधन अवधारणाओं को अपनी कार्यशैली का अभिन्न अंग बनाएँ, बल्कि लेखा-परीक्षण, लेखांकन, भुगतान और वित्तीय सलाह के अपने मूल कार्यों को पेशेवर तरीके से करने के प्रति भी सजग रहें ताकि "आत्मनिर्भर भारत" बनाने की दिशा में रक्षा बजट का इष्टतम और परिणामोन्मुखी उपयोग और प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके ।

मैं सभी सहयोगियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे हमारे प्यारे राष्ट्र के सामरिक हितों एवं वित्तीय संसाधनों को ध्यान में रखते हुए पूरी सत्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे ताकि विभाग की छवि और भी बेहतर बने और हमारे कार्य-निष्पादन में और अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही का समावेश हो। आइये, हम सब मिलकर अपनी कार्यनिष्ठा और लगन से अपने विभाग को उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाएँ। मुझे विश्वास है कि रक्षा लेखा विभाग "विकसित भारत" के लक्ष्य की प्राप्ति में पूरी तत्परता, तन्मयता और प्रतिबद्धता के साथ अपना योगदान करता रहेगा।

1 अगस्त 2025

(राज कुमार अरोड़ा)